B-4
L-5
Indian Society

आधुनिक भारतीय समाज के लक्षण →

- संयुक्त परिवार की विद्यमानता एकाकी परिवार के साथ।
- आधुनिक स्वरूपों के साथ विवाह के धार्मिक संस्कारगत पक्षों की निरंतरता।
- पितृसत्तात्मकता में कमी और स्त्रियों की प्रास्थिति (Status) में सुधार।
- शैक्षिक अवसरों की समानता के साथ आधुनिक शिक्षा व्यवस्था।
- लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था एक प्रक्रिया के रूप में क्रियाशील।
- जनजातियों का आधुनिकीकरण साथ ही उनकी पृथक पहचान की निरंतरता।
- वैश्विक संस्कृति का प्रसार और वैश्विक समाज का निर्माण।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

भारत में परम्परा एवं आधुनिकता →

भारतीय समाज में परंपरा व आधुनिकता के मध्य संबंधों पर चर्चा एक प्रमुख विषय रहा है जिनको निम्न बिंदुओं के तहत विश्लेषित किया जा सकता है →

(A) परम्परा के तत्व -

- धर्म की प्रधानता
- पारलौकिकता
- ईश्वर केन्द्रीयता
- सोपानिकता
- पराधीनता
- सामूहिकता ।

(B) आधुनिकता के तत्व -

- तर्क एवं विज्ञान की प्रधानता
- इहलौकिकता
- मानव केन्द्रिता / मानवतावाद

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- स्वतंत्रता, समानता एवं सामाजिक न्याय
- व्यक्तिवादिता।

(c) अंग्रेजों के आगमन के पहले भारतीय समाज एक परंपरागत समाज था। अंग्रेजों के आगमन के साथ भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई और यह दो रूपों में अभिव्यक्त हुई-

i) आधुनिकता द्वारा भारतीय परंपरा का उन्मूलन

ii) भारतीय परंपरा द्वारा आधुनिकता का विरोध

उपरोक्त दोनों स्वरूपों के साथ-साथ एक तीसरा स्वरूप भी परिलक्षित हुआ जहाँ भारतीय परंपरा ने आधुनिकता के साथ अनुकूलन किया और आधुनिकता के साथ सह-अस्तित्व को बनाए रखा जैसे-

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(D) भारत में परंपरा एवं आधुनिकता का सह- संबंध—

- तर्क के साथ धर्म की निरंतरता।
- औद्योगीकरण एवं मशीनीकरण के साथ यंत्रों की पूजा।
- आधुनिक तकनीक से कृषि के साथ परंपरागत त्योहारों की विद्यमानता (जैसे- मकर संक्रांति, पोंगल, वैशाखी आदि)।
- परिवार नियोजन के आधुनिक तकनीक की स्वीकृति के साथ संतान को ईश्वर का वरदान मानना या छठी मनाना।

(E) भारत में आधुनिकता एवं परंपरा के सह - अस्तित्व के कारण / परंपरा की निरंतरता के कारण ↓

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अवधारणात्मक स्तर पर परंपरा एवं आधुनिकता एक दूसरे की विरोधी है और भारत में

कई संदर्भों में दोनों ने एक-दूसरे का विरोध किया है।

परंतु यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय परंपरा ने आधुनिकता के साथ अपना अनुकूलन किया है और अपनी निरंतरता को बनाए रखा है या दोनों का सह-अस्तित्व संभव हुआ है और इसके लिए भारतीय परंपरा में विद्यमान कुछ विशिष्ट विशेषताओं को उत्तरदायी माना जाता है, जैसे –

i) भारतीय परंपरा में विद्यमान सहिष्णुता की क्षमता

ii) तर्क एवं निर्वचन की छूट

iii) अनुकूलन की क्षमता

iv) सात्मीकरण की प्रवृत्ति

v) लोचशीलता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Q1- "भारत में परंपरा एवं आधुनिकता का सह - अस्तित्व है।" चर्चा कीजिए।

Ans- पार्ट I - परंपरा एवं आधुनिकता के तत्वों की चर्चा (संक्षेप में)।

पार्ट II - परंपरा एवं आधुनिकता के सह - अस्तित्व की चर्चा

पार्ट III - समीक्षा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Q2- भारतीय समाज की आधुनिकता एक हद तक आधुनिकता है। चर्चा कीजिए।